सकलहृदीश्वरि

राग : नागानंदिनि

ताळ : आदि

पल्लवि :

सकलहृदीश्वरि श्रीमातः
सच्चिदानंदे श्रीमातः

चरण :

१. गुरुवररूपिणि हे गौरि
परम पदेश्वरि श्री गौरि
रजत गिरीश्वरि राजेशि
विजित निजेश्वरि राजेशि

२. दुर्गालक्ष्मि दुरित हरे
दुर्गतिहारिणि दुःखहरे
सुमधुर हृदये मीनाक्षि
सुमशर विनुते मीनाक्षि

३. निरुपम दीप्ते पराशक्ति
निगम सुगुप्ते पराशक्ति
अंब सरस्वति आत्मेशि
सांब शिवार्चित सर्वेशि

४. शंकर पत्नि विशालाक्षि
सकरुण सुंदर लोलाक्षि
भंड निषूदिनि हे चंडि
खंडित मोहे श्री चंडि